Five-day training organized for the Officers of the Department of Fisheries, Government of Odisha on "Advances on Fish Nutrition and Feed Technology for Sustainable Aquaculture" from 13 to 17 July 2026, at ICAR-CIFE, Mumbai

In collaboration with the Directorate of Fisheries, Government of Odisha, a 5-day special skill development training on "**Advances on Fish Nutrition and Feed Technology for Sustainable Aquaculture"** was organized by ICAR-CIFE, Mumbai at Mumbai from 13 to 17 July, 2026. A total of 24 officers participated in this programme. The programme was inaugurated by Dr. N.P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, Mumbai in presence of Dr. K.N. Mohanta, Joint Director (Acting) & Head, Fish Nutrition, Biochemistry and Physiology Division, ICAR-CIFE Dr Sahu, in his inaugural address highlighted that the feed is the most critical and important input constituting 60-70% of the recurring cost in aquaculture. He enquired about the present status of aquafeed and aquaculture production in the State of Odisha and suggested that they should advise the farmers to prepare the farm made feed preparation by using locally available feed ingredients. He also emphasized that they should use the "CIFE-AQUAFEED-OPTIMA", a user friendly feed formulation app developed by ICAR-CIFE to formulate the cost-effective nutritionally balanced feed for any commercial fish and shellfish. In his welcome address, Dr. Mohanta told that this is a hands-on training programme and comprised of more practical classes rather than the theory classes on the aspects of fish feed production and quality assurance. He thanked the Government of Odisha for skilling their young officers to generate an expert pool of fish nutritionists for quality feed production and better feed management in aquaculture which are the two keys for the success of aquaculture in the state. Dr. Sikendra Kumar, Coordinator, outlined the five-day training programme. Apart from 14 theory classes, a total of 13 practical demonstrations were conducted, including advanced in feed production technologies to produce the floating, sinking and semi-sinking feeds for fish and shrimps. The feed testing and quality assurance of produced were also demonstrated to the trainees. A field visit to a shrimp culture farm (JMM Fisheries), Borkhar, Raigad, Maharashtra was also arranged to expose the trainees on how the scientific feeding management practice is being done by using the automatic feed dispenser. The trainees were very much satisfied with the training and thanked Dr N.P. Sahu and FNBP Division for organising such an important training over last two years and training more than

100 fisheries officers of Government of Odisha. Dr. Ashutosh Deo, Dr. Prem Kumar and Dr. Manish Jayant were the other resource persons for the training.

ओडिशा सरकार के मत्स्य विभाग के अधिकारियों के लिए "सतत मत्स्यपालन के लिए मछली पोषण और चारा प्रौद्योगिकी में प्रगति" विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 13 से 17 जुलाई 2026 तक आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई में किया गया।

ओडिशा सरकार के मत्स्य निदेशालय के सहयोग से, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई द्वारा 13 से 17 जुलाई, 2026 तक मुंबई में "सतत मत्स्यपालन के लिए मत्स्य पोषण और चारा प्रौद्योगिकी में प्रगति" विषय पर पांच दिवसीय विशेष कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 24 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने आईसीएआर-सीआईएफई के संयुक्त निदेशक (कार्यवाहक) और मत्स्य पोषण, जैव रसायन और शरीर क्रिया विज्ञान प्रभाग के प्रमुख डॉ. के.एन. मोहंता की उपस्थिति में किया। डॉ. साहू ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि चारा मत्स्यपालन में आवर्ती लागत का 60-70% हिस्सा होता है और यह सबसे महत्वपूर्ण इनपुट है। उन्होंने ओडिशा राज्य में जलीय चारे और मत्स्यपालन उत्पादन की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली और सुझाव दिया कि किसानों को स्थानीय रूप से उपलब्ध चारा सामग्री का उपयोग करके खेत में तैयार चारा बनाने की सलाह दी जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यावसायिक मछली और शंख के लिए किफायती और पोषण से भरपूर संतुलित चारा तैयार करने के लिए आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा विकसित उपयोगकर्ता के अनुकूल चारा निर्माण ऐप "सीआईएफई-एक्वाफीड-ऑप्टिमा" का उपयोग किया जाना चाहिए। अपने स्वागत भाषण में डॉ. मोहंता ने बताया कि यह एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है और इसमें मछली के चारे के उत्पादन और गुणवत्ता आश्वासन के पहलुओं पर सैद्धांतिक कक्षाओं की तुलना में अधिक व्यावहारिक कक्षाएं शामिल हैं। उन्होंने ओडिशा सरकार को अपने युवा अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए धन्यवाद दिया, जिससे मत्स्य पालन में गुणवत्तापूर्ण चारा उत्पादन और बेहतर चारा प्रबंधन के लिए मछली पोषण विशेषज्ञों का एक विशेषज्ञ समूह तैयार हो सके, जो राज्य में मत्स्य पालन की सफलता की दो प्रमुख कुंजी हैं। समन्वयक डॉ. सिकंदर कुमार ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। 14 सैद्धांतिक कक्षाओं के

अतिरिक्त, कुल 13 व्यावहारिक प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिनमें मछली और झींगा के लिए तैरने वाले, डूबने वाले और अर्ध-डूबने वाले चारे के उत्पादन हेतु उन्नत चारा उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन शामिल था। प्रशिक्षुओं को चारे के परीक्षण और गुणवत्ता आश्वासन का भी प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षुओं को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के बोरखर स्थित झींगा पालन फार्म (जेएमएम फिशरीज) का दौरा भी कराया गया ताकि उन्हें स्वचालित चारा डिस्पेंसर के उपयोग से वैज्ञानिक चारा प्रबंधन पद्धति से अवगत कराया जा सके। प्रशिक्षु प्रशिक्षण से अत्यंत संतुष्ट थे और उन्होंने पिछले दो वर्षों में इस प्रकार के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण का आयोजन करने और ओडिशा सरकार के 100 से अधिक मत्स्य अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए डॉ. एन.पी. साहू और एफएनबीपी डिवीजन को धन्यवाद दिया। डॉ. आशुतोष देव, डॉ. प्रेम कुमार और डॉ. मनीष जयंत प्रशिक्षण के अन्य संसाधन व्यक्ति थे।

Fig 1: Inauguration of the Odisha officers training programme

Fig 2: Release of the training manual during the inauguration programme

Fig 3: Feed production using the twin screw extruder

Fig 4: Feed production using the twin screw extruder

Fig 5: Participants with the floating feed producced using the twin screw extruder

Fig 6: Analysis of feed moisture using automatic moisture analyser by the participants

Fig 7: Sinking feed produced using twin screw extruder

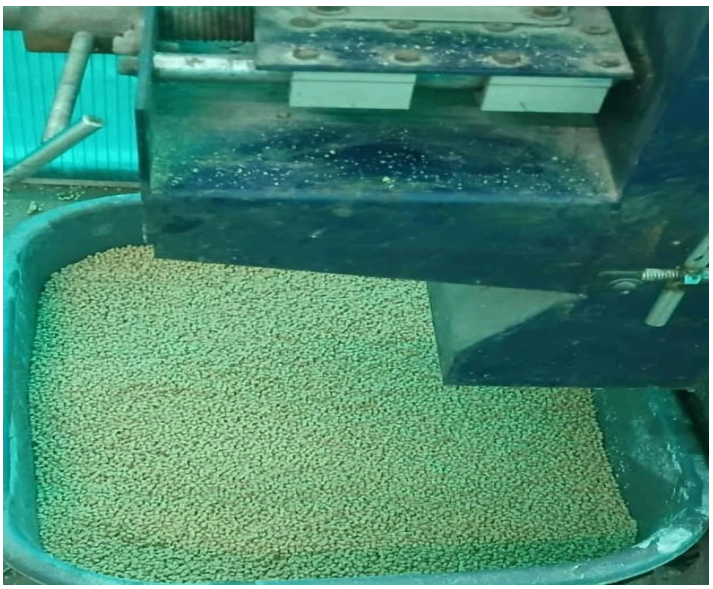

Fig 8: Floating feed produced using twin screw extruder

Fig 9: CIFEAQUAFEE OPTIMA- A feed formulation software demonstration to participants

Fig 10: Visit to Shrimp farm, Raigad (Maharashtra

Fig 10: A view of Vannamei shrimp harvested at farm

Fig11: Valedictory programme of the training

Fig 12: Distribution of certificate to the participant